INSTITUTE OF PUBLIC ENTERPRISE
Under the aegis of ICSSR, MoE, GoI

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड की आठ (08) सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन

भारत डायनामिक्स लिमिटेड
BHARAT DYNAMICS LIMITED

कार्यकारी सारांश

परियोजना 1: नौसेना बेस पर ड्रेन ट्रीटमेंट प्लांट (1.5 एमएलडी एसटीपी) का संस्थापन

5 एमएलडी से अधिक मले जल - घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट - मलकापुरम, नौसेना क्वार्टर, श्रीहरिपुरम, सिंधिया और उसके आस-पास के स्थानों से बहता है और नौसेना कमान के पास बंगाल की खाड़ी में जा कर मिलता है, जिससे समुद्र गंभीर रूप से प्रदूषित हो जाता है। परिणामस्वरूप, पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी), विशाखापट्टणम ने 2019-20 के दौरान बंगाल की खाड़ी के पास अपने कमांड क्षेत्र में 1.5 एमएलडी नाली जल उपचार संयंत्र के संस्थापन के लिए बीडीएल से संपर्क किया। पूर्वी कमान के अनुरोध पर, बीडीएल ने 1.5 एमएलडी की क्षमता वाले नाली जल उपचार संयंत्र के लिए 200 लाख रुपये मंजूर किए। आईजीआईएटी, विशाखापट्टणम ने 2020-21 और 2021-22 में परियोजना को कार्यान्वित किया।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य

मले जल शुद्धीकरण के उपचार के लिए विशाखापट्टणम में नौसेना बेस पर 1.5 एमएलडी संस्थापित कर इस उपचारित पानी से 'नौसेना बेस संयंत्रों' को पानी उपलब्ध कराना है।

परियोजना का परिणाम

ईएनसी बागवानी उद्देश्यों के लिए जीवीएमसी-विशाखापट्टणम से पानी खरीद रहा था। ड्रेन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के संस्थापना के बाद, हरियाली बढाने के लिए उपचारित पानी के उपयोग से जीवीएमसी से ईएनसी कमांड एरिया तक पानी का उपयोग कम हो गया है।

परियोजना 2: सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम (डिजिटल लर्निंग) - विशाखापट्टणम (एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट), आंध्र प्रदेश

स्मार्ट शिक्षण प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस का उपयोग से छात्र-शिक्षक संपर्क आज अधिक मजबूत होगया है। इस से छात्रों को पाठ्य विषय बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। विशाखापट्टणम के संबंधित शिक्षा विभाग और जन प्रतिनिधियों के अनुरोध के आधार पर, भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने विशाखापट्टणम जिले (आकांक्षी जिला, आंध्र प्रदेश) के चुने हुए सरकारी स्कूलों में डिजिटल कक्षा प्रणाली स्थापित करने के लिए वर्ष 2021-21 में 200 लाख रुपए आवंटित किए। बीडीएल ने पहले चरण में 37 स्मार्ट क्लास रूम सिस्टम स्थापित किए और दूसरे चरण की प्रक्रिया जारी है।

परियोजना का उद्देश्य

विशाखापट्टणम जिले (आकांक्षी जिला, आंध्र प्रदेश) के चुने हुए सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास रुम बनाते सरकारी स्कूलों का डिजिटलीकरण करना।

परियोजना का परिणाम

स्मार्ट कक्षा प्रणालियाँ शिक्षण, छात्रों के सीखने के माहौल, शैक्षणिक प्रदर्शन और स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण बदलाव लाये हैं।

परियोजना 3: विजयानगरम (समाज कल्याण छात्रावास भवन), आकांक्षी जिला, आंध्र प्रदेश में विकासात्मक कार्य

विजयानगरम जिले में सरकारी सामाजिक कल्याण छात्रावासों के बदहाल कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जिसके परिणामस्वरूप छात्रावास नामांकन में भारी गिरावट आई। छात्रावास भवन की स्थिति जर्जर थी। किचन शेड, डाइनिंग

हॉल, सुरक्षित पेयजल, स्नानघर, शौचालय आदि सुविधाएँ भी ठीक नहीं थीं। परिणामस्वरूप, छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इन स्थितियों में सुधार करने जन प्रतिनिधि, जिला कलेक्टर और समाज कल्याण अधिकारी ने विजयानगरम शहर में लड़कियों के एक नए छात्रावास भवन के निर्माण, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और विजयानगरम जिले में नौ चुने हुए सामाजिक कल्याण छात्रावास भवन में मरम्मत के लिए वित्तीय सहायता के लिए बीडीएल से अनुरोध किया। 2019-20 के दौरान उनके अनुरोध के आधार पर, बीडीएल ने वर्ष 2021-22 के दौरान 200 लाख रुपए आवंटित किए और परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

परियोजना का उद्देश्य

i) सुविधाओं में सुधार के लिए सरकारी समाज कल्याण गर्ल्स कॉलेज छात्रावास के लिए एक स्थायी भवन का निर्माण।

ii) विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रम और मरम्मत कार्यों को शुरू करके सरकारी समाज कल्याण छात्रावासों को मजबूत करना।

परियोजना का परिणाम

इस परियोजना से छात्रावासों की बुनियादी ढांचागत सुविधाओं को मजबूत किया। इस परियोजना ने स्वच्छ शौचालय, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और रसोई व भोजन सुविधाएँ जैसी सुविधाओं से छात्रों की आदतों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा।

परियोजना 4: सरकारी स्कूल में स्मार्ट क्लास रूम (डिजिटल लर्निंग) - विजयानगरम (आकांक्षी जिला, आंध्र प्रदेश)

सरकारी और निजी स्कूलों के बीच डिजिटल शिक्षा के अंतर को पाटने के लिए, बीडीएल ने 75 सरकारी स्कूलों की पहचान की। वर्ष 2020-21 और 2021-22 में विजयानगरम जिले (आकांक्षी जिला, आंध्र प्रदेश) में स्मार्ट क्लास रूम सिस्टम स्थापित किए। बीडीएल ने जिलाधीश, विजयानगरम और अन्य हितधारकों के अनुरोध के आधार पर इस परियोजना को दो चरणों में शुरू किया। परियोजना की लागत 200 लाख रुपए है।

परियोजना का उद्देश्य

विजयानगरम जिले (आकांक्षी जिला, आंध्र प्रदेश) के चुने हुए सरकारी स्कूलों में स्मार्ट शिक्षा प्रणाली उपलब्ध कराकर सरकारी स्कूलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना है।

परियोजना का परिणाम

स्मार्ट कक्षा प्रणालियों ने कक्षा शिक्षण, अध्ययन-अध्यापक का माहौल, शैक्षणिक प्रदर्शन और स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

परियोजना 5: एम एन जे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी अण्ड रीजनल कैंसर सेंटर में सराय का निर्माण (तीसरी मंजिल + लिफ्ट)

एम एन जे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी, हैदराबाद के क्षेत्रीय कैंसर केंद्रों में से एक है और यह निदान, उपचार और कैंसर प्रबंधन के लिए समर्पित देश के बेहतरीन अस्पतालों में से एक है। एमएनजे कैंसर अस्पताल देश का तीसरा कैंसर अस्पताल था और इसे वर्ष 1955 में शुरू किया गया था। यह केंद्र 250 बिस्तरों वाला व्यापक तृतीयक कैंसर केंद्र है। हर साल लगभग 10,000 नए कैंसर रोगी इसमें भर्ती होते हैं। हर साल 150,000 से अधिक मरीज फॉलो-अप के लिए आते हैं। अधिकांश मरीज़ विभिन्न तरह के कैंसर उपचार प्राप्त के लिए तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से आते हैं। अपनी अनिश्चित वित्तीय परिस्थितियों के कारण, कैंसर रोगियों को निःशुल्क आवास और भोजन सेवाओं की आवश्यकता होती है। यही प्रमुख कारण है कि एमएनजे कैंसर अस्पताल, दानदाता और कई अन्य स्रोतों की मदद से, कैंसर उपचार रोगियों और उनके परिजनों को मुफ्त आवास और भोजन प्रदान करता है। इसी प्रकार, एमएनजे कैंसर अस्पताल प्रबंधन ने मौजूदा सराय के ऊपर लिफ्ट के साथ तीसरी मंजिल बनाने के लिए बीडीएल सीएसआर निधि में 150 लाख रुपए का अनुरोध

किया। अस्पताल ने पहले ही सराय की दो मंजिलें बना रखा थीं। बीडीएल ने एमएनजे कैंसर अस्पताल के अनुरोध पर विचार कर दि. 26 मार्च, 2021 को 150 लाख रुपये आवंटित किए। मार्च, 2023 तक परियोजना का 60% काम समाप्त हो गया था।

परियोजना का उद्देश्य

मौजूदा सराय पर लिफ्ट सुविधा के साथ तीसरी मंजिल का विस्तार कर कैंसर उपचार रोगीयों और उनके परिजनों के आवास सुविधाओं का विस्तार करना।

परियोजना 6: जिला परिषद हाई स्कूल, भानूर, पाटनचेरु मंडल, संगारेड्डी जिले में स्कूल भवन का निर्माण

जिला परिषद हाई स्कूल (ZPHS), भानूर, वर्ष 1989 में शुरू किया गया एक सह-शिक्षा विद्यालय है। इस स्कूल ने तेलंगाना राज्य के संगारेड्डी जिले के एक ग्रामीण गाँव, भानूर की सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल में कुल संख्या 145 (75 लड़के और 70 लड़कियाँ) छात्र हैं। जन प्रतिनिधि, ग्रामीण, संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारी और स्कूल समिति ने छात्र समुदाय को आधुनिक और परिष्कृत शिक्षा प्रदान करने के लिए कक्षा सुविधाओं को बेहतर करने बीडीएल से सहयोग माँगा। इससे पहले, जिला परिषद हाई स्कूल, भानूर, एक जीर्ण-शीर्ण इमारत में संचालित हो रहा था, जिसमें कक्षा निर्देश, खेल और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए जगह अपर्याप्त थी। यह परियोजना इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसमें बड़ी कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, डिजिटल कक्षाओं, पुस्तकालय, छात्र मनोरंजन हॉल, स्टाफ रूम, शौचालय और अन्य सुविधाओं का निर्माण किया गया है। परियोजना की लागत 324 लाख रुपये हैं।

परियोजना का उद्देश्य

जिला परिषद हाई स्कूल, भानूर के लिए एक नए भवन का निर्माण करके भानूर गाँव में हाई स्कूल शिक्षा को मजबूत करना।

परियोजना का परिणाम

बेहतर सुविधाओं के निर्माण के कारण परियोजना ने शिक्षण विधियों और सीखने के परिणामों को बेहतर किया।

इस परियोजना के परिणामस्वरूप छात्रों के शैक्षणिक और सामान्य स्वास्थ्य का समग्र विकास हुआ।

परियोजना 7: सरकारी स्कूलों को दोहरी डेस्क का वितरण

चेरलापल्ली और चंचलगुडा केंद्रीय जेल प्रशासकों ने जेल कैदियों में जागरूकता लाने और अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से कई अवधारणाओं और पहलों की खोज की। दोषियों को कुर्सियाँ, दोहरी डेस्क लकड़ी के फर्नीचर, डिटर्जेंट, पूजा सामग्री, कालीन, चादरें, बेकरी उत्पाद इत्यादि बनाने जैसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसी तरह, पिछले सात वर्षों से, बीडीएल अपने सीएसआर के तहते जिला प्रशासन के माध्यम से विभिन्न सरकारी संचालित स्कूलों में आपूर्ति के लिए दोहरी डेस्क बनाने की एक परियोजना को मंजूरी दी गई। वर्ष 2021-22 के लिए इस परियोजना को 'डुअल डेस्क के निर्माण' के लिए चंचलगुडा जेल को आवंटित किया गया था। वित्तीय वर्ष में बीडीएल सीएसआर कार्य आदेशों के अनुसार दोहरी डेस्क की उपलब्धता के अनुसार, संबंधित अधिकारी संबंधित जिला शैक्षिक विभागों से प्राधिकरण प्राप्त करने के बाद स्कूलों में दोहरी डेस्क वितरित करते हैं। इस परियोजना से 134 सरकारी स्कूलों की फर्नीचर आवश्यकताएँ पूरी हुई तथा 2021-22 और 2022-23 के दौरान भद्राद्री-कोत्तागुडेम (आकांक्षी जिला) तेलंगाना और सिकंदराबाद में 7000 से अधिक स्कूली बच्चें को लाभान्वित हुए।

परियोजना का उद्देश्य

चंचलगुडा केंद्रीय जेल के कैदियों को दोहरी डेस्क के निर्माण में जुटा करके रोजगार प्रदान करना और इस तरह तेलंगाना राज्य के चुन हुए सरकारी स्कूलों में इन डेस्क की आपूर्ति करना।

परियोजना का परिणाम

इस परियोजना के परिणामस्वरूप कैदियों का रवैया बदला, जिससे उन्हें जेल में रहते हुए अपने कैरियर के विकास पर ध्यान देने की ओर अग्रसर किया।

इस परियोजना ने स्कूली बच्चों के बैठने की सुविधाओं को बेहतर बनाया और इससे उनकी एकाग्रता के स्तर में सुधार आया।

परियोजना 8: सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालयों का निर्माण

राजन्ना सिरसिला जिले के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च विद्यालयों में कक्षाओं, परिसर की दीवार, मूत्रालय, शौचालय आदि सहित उचित स्कूल बुनियादी ढाँचे का अभाव था। 'स्वच्छ विद्यालय और स्वच्छ भारत अभियान' के अंतर्गत, जिला अधिकारी को जिले के चुने हुए सरकारी स्कूलों में लड़कियों के शौचालयों की आवश्यकता महसूस हुई और बीडीएल से संपर्क किया गया। उनकी इस मांग को पूरा करते हुए, बीडीएल ने दो चरणों में चुने हुए 29 प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च विद्यालयों में 64 लड़कियों के शौचालय ब्लॉक के निर्माण के लिए 200 लाख रुपए आवंटित किए। शौचालय निर्माण का पहला चरण सितंबर 2020 में और दूसरा चरण 2022-23 के दौरान में पूरा हुआ। प्रत्येक शौचालय ब्लॉक में पाँच बैठने-प्रकार के मूत्रालय और दो आईडब्ल्यूसी शौचालय, आवश्यक हाथ धोने के वाशबेसन, नल, बहते पानी की व्यवस्था आदि हैं। परियोजना से 1400 प्राथमिक विद्यालय की लड़कियां, 1400 हाई स्कूल की लड़कियाँ और 200 उच्च प्राथमिक विद्यालय की लड़कियाँ लाभान्वित हुईं।

परियोजना का उद्देश्य

तेलंगाना राज्य के राजन्ना सिरसिला जिले में चुने हुए सरकारी स्कूलों में शौचालयों का निर्माण करके लड़कियों की शौचालय सुविधाओं को मजबूत करना।

परियोजना का परिणाम

- इस परियोजना से स्कूलों में खुले में शौच में कमी आई है।
- परियोजना ने सिरसिला राजन्ना जिले के सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए पर्याप्त शौचालय ब्लॉक उपलब्ध कराए हैं।
- इस परियोजना ने स्कूली बच्चों में उत्कृष्ट स्वच्छता आदतों को बढ़ाया है क्योंकि उन्होंने नवनिर्मित शौचालयों का उपयोग करना शुरू कर दिया है।
- इस परियोजना से स्कूली बच्चों को स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं की आवश्यकता के बारे में अधिक जागरूकता लाने में मदद मिली है।